# मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

## सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

## -::परीक्षा योजना::-

(अ) अंक–योजना :–

| प्रश्न पत्र | परीक्षा | प्रश्नों की संख्या | पूर्णांक | अवधि |
|---|---|---|---|---|
| प्रथम प्रश्न पत्र | मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान | 50 | 200 | 01 घंटा |
| द्वितीय प्रश्न पत्र | विषय– संबंधित विषय | 150 | 600 | 03 घंटे |
| | योग | 200 | 800 | |
| | साक्षात्कार | | 100 | |
| | कुल अंक | | 900 | |

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए जाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

**(स) चयन–प्रक्रिया :–**

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

# सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

## पाठ्यक्रम–प्रथम प्रश्न–पत्र

## मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. <u>मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य</u>

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन-स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. <u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर परंपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. <u>मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र</u>

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. <u>अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ</u>

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. <u>सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।</u>

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---XXX---

# ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

## SYLLABUS- PAPER-I

## General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

### 1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

### 2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

### 3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

## 4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

## 5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---XXX---

# सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022
# पाठ्यक्रम–समाजशास्त्र

## इकाई–I : समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

- समाजशास्त्र की प्रकृति : परिभाषा, समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य।
- मुख्य अवधारणाएँ : समुदाय, संस्था, समिति, संस्कृति, मानदण्ड एवं मूल्य।
- सामाजिक संरचना : प्रस्थिति एवं भूमिका, विभिन्न भूमिकाएँ, भूमिका पुंज, प्रस्थिति पुंज, प्रस्थिति–क्रम, भूमिका–संघर्ष।
- सामाजिक समूहः अर्थ, प्रकार : प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह, औपचारिक एवं अनौपचारिक समूह, अन्तःसमूह एवं बाह्य समूह, सन्दर्भ समूह।
- सामाजिक संस्थाएँः विवाह, परिवार, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था, धर्म, वर्ण, आश्रम, पुरूषार्थ, ऋण, यज्ञ, संस्कार।

## इकाई– II :समाजीकरण

- समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण, प्रत्याशी समाजीकरण, प्रौढ़ समाजीकरण, समाजीकरण के अभिकरण, समाजीकरण के सिद्धान्त।
- सामाजिक स्तरीकरण : सामाजिक विभेदीकरण, उच्चोच्च क्रम एवं असमानता, स्तरीकरण के स्वरूप : जाति, वर्ग, लिंग, नृजाति, सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त, सामाजिक गतिशीलता।
- सामाजिक परिवर्तन : अवधारणाएँ एवं प्रकार : उद्विकास, प्रसार, प्रगति, क्रान्ति, रूपान्तरण, सामाजिक संरचना में परिवर्तन एवं सामाजिक संरचना का परिवर्तन, सिद्धान्त– रेखीय एवं चक्रीय।
- भारतीय समाज का अवधारणात्मक स्वरूप : भारत के लोग : समूह एवं समुदाय, विविधता में एकता, सांस्कृतिक विविधता : क्षेत्रीय, भाषाई, धार्मिक एवं जनजातीय।
- समकालीन मुद्दे : सामाजिक–सांस्कृतिक, निर्धनता, जाति एवं लिंग सम्बन्धी असमानता, क्षेत्रीय, नृवंशीय एवं धार्मिक विसमरसता, पारिवारिक विसमरसता : (क) घरेलू हिंसा (ख) दहेज (ग) तलाक (घ) अन्तर्पीढ़ी संघर्ष।

## इकाई– III :समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

- संरचनात्मक सिद्धान्त : नेडाल, रेडक्लिफ ब्राउन।
- प्रकार्यात्मक सिद्धान्त : मेलीनोवस्की, दुर्खीम, पारसंस, मर्टन।
- अन्तर्क्रियावादी सिद्धान्त : सामाजिक क्रिया–मेक्स वेबर, पैरेटो, प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावादी सिद्धान्त : जी.एच.मीड, ब्लूमर।
- संघर्ष सिद्धान्त : कार्ल मार्क्स, डेरेन्डार्फ, कोजर।
- सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य :–

  भारतविद्या/वांग्मयी परिप्रेक्ष्य : जी.एस. घुरिये, लुईस ड्यूमाँ।
  संरचनात्मक–प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य : एम.एन. श्रीनिवास, एस.सी. दुबे।
  दलितवादी परिप्रेक्ष्य : बी.आर. अम्बेडकर।
  मूल्यों का समाजशास्त्र : राधाकमल मुखर्जी।

## इकाई– IV : पद्धतिशास्त्र

- सामाजिक शोध का अर्थ एवं प्रकृति :–सामाजिक घटना की प्रकृति, वैज्ञानिक विधि, सामाजिक घटना के अध्ययन में समस्याएँ : वस्तुनिष्ठता एवं व्यक्तिनिष्ठता, तथ्य एवं मूल्य।
- गणनात्मक विधि : सर्वेक्षण, शोध प्रारूप एवं इसके प्रकार, उपकल्पना, निदर्शन, समंक संकलन की विधियाँ : अवलोकन, प्रश्नावली अनुसूची, साक्षात्कार।
- गुणात्मक विधियाँ : सहभागी अवलोकन, वैयक्तिक अध्ययन, अन्तर्वस्तु विश्लेषण, मौखिक इतिहास, जीवन इतिहास।
- सामाजिक शोध में सांख्यिकी : केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापः समान्तर माध्य, मध्यिका, बहुलक, विचलन के माप, सह सम्बन्ध विश्लेषण, सार्थकता का मापन।
- समाजमिती, सामाजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर की उपादेयता, नृजाति लेखन।

## इकाई– V : प्रकार्यवाद

- नव–प्रकार्यवाद एवं नव–मार्क्सवाद– जे० अलक्जेन्डर, हेवरमास, अल्थुजर।
- संरचनाकरण तथा उत्तर–आधुनिकतावाद – गिडेन्स, देरिदा।
- समकालीन मुद्दे :– विकासीय जनसंख्या, क्षेत्रीय विषमता, मलिन बस्तियां, विस्थापन, सतत विकास के लक्ष्य, नीति आयोग : संरचना एवं कार्य।
- विचलन से संबंधित मुद्दे :– विचलन एवं इसके प्रकार, अपराध एवं विचलित व्यवहार, श्वेत वसन अपराध तथा भ्रष्टाचार, अपराध के बदलते परिदृश्य, मादक द्रव्य व्यसन, आत्महत्या।
- समसामयिक चर्चा :–भारत में परम्परा एवं आधुनिकता, राष्ट्र निर्माण की समस्याएँ : पंथ निरपेक्षता, बहुलतावाद एवं राष्ट्र निर्माण।

## इकाई– VI : ग्रामीण समाजशास्त्र

- ग्रामीण समाज की अध्ययन पद्धतियाँ : ग्रामीण तथा नगरीय अन्तर, ग्रामीणवाद–नगरीयवाद, कृषक सम्बन्धी अध्ययन ।
- कृषि सम्बन्धी संस्थाएँ : भूमि स्वामित्व एवं इसके प्रकार, कृषक अन्तः सम्बन्ध एवं उत्पादन के तरीकों पर चर्चा, जजमानी व्यवस्था तथा जजमानी अन्तःसम्बन्ध, कृषि में वर्ग व्यवस्था ।
- पंचायती राज व्यवस्था : 73 वें संविधान संशोधन के पूर्व एवं पश्चात् पंचायती राज, ग्रामीण नेतृत्व एवं गुटबन्दी, लोक सशक्तिकरण ।
- सामाजिक मुद्दे एवं ग्रामीण विकास की रूपनीतियाँ : बँधुआ एवं प्रवासी मजदूर, दरिद्रीकरण एवं गैर किसानीकरण, कृषक असंतोष एवं कृषक आन्दोलन ।
- ग्रामीण विकास और परिवर्तन : ग्रामीण समाज में परिवर्तन की दशाएँ, परिवर्तन की प्रक्रियाएँ: प्रव्रजन, ग्राम से नगर की ओर, ग्राम से ग्राम की ओर गतिशीलता–सामाजिक/आर्थिक ।

## इकाई– VII : उद्योग एवं समाज

- समाजशास्त्रीय परंपरा में औद्योगिक समाज : श्रम–विभाजन, नौकरशाही, तार्किकता, उत्पादन सम्बन्ध, अतिरिक्त मूल्य, अलगाव ।
- उद्योग एवं समाज : समाज व्यवस्था के रूप में कारखाना, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन, उद्योग पर सामाजिक संरचना का प्रभाव, समाज पर उद्योग का प्रभाव ।
- औद्योगिक सम्बन्ध : श्रम के बदलते परिदृश्य, बदलते श्रम–प्रबंध सम्बन्ध, समझौता, पंचनिर्णय, मध्यस्थता, सामूहिक सौदेबाजी, श्रम–संघ, प्रबन्ध में श्रमिकों की भागीदारी (संयुक्त प्रबंध परिषद्), गुणवत्ता केन्द्र ।
- भारत में औद्योगीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन : परिवार, शिक्षा एवं स्तरीकरण पर औद्योगीकरण का प्रभाव, औद्योगिक समाज में वर्ग तथा वर्ग संघर्ष, औद्योगीकरण की बाधाएँ तथा सीमाएँ ।
- वैश्वीकरण की चुनौतियाँ : समाजशास्त्र का भारतीयकरण, शिक्षा का निजीकरण, भारत की विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीय नीति ।

## इकाई– VIII : विकास का समाजशास्त्र

- विकास की अवधारणाएँ : आर्थिक वृद्धि, मानवीय विकास, सामाजिक विकास, संपोषक विकास ।
- अधो विकास के सिद्धान्त : उदारवादी – मैक्स वैबर, गुन्नार मिर्डल।
- विकास के मार्ग : आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण ।
- सामाजिक संरचना एवं विकास : सामाजिक संरचना एक सुविधा/बाधा, विकास एवं सामाजिक आर्थिक विषमताएँ ।
- संस्कृति एवं विकास : संस्कृति एक सुविधा/बाधा, उत्तर आधुनिकता, पश्चिमीकरण।

## इकाई– IX : जनसंख्या एवं समाज

- जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त : माल्थसवादी, जनांकिकीय परिवर्तन।
- भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण : सन् 1901 से भारत में जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या वृद्धि के कारण एवं प्रभाव।
- अवधारणाएँ : उत्पादकता, मृत्युदर, रुग्णता तथा प्रव्रजन, आयु तथा लिंग संरचना तथा इसके परिणाम, उत्पादकता के निर्धारक, मृत्युदर के निर्धारक, शिशु, बाल एवं मातृ मृत्युदर, रूग्णता दर ।
- जनसंख्या एवं विकास : विकास के अवरोध व मानव संसाधन के रूप में जनसंख्या, जनसंख्या को प्रभावित करने वाले सामाजिक–सांस्कृतिक कारक ।
- जनसंख्या नियंत्रण : जनसंख्या नीति : समस्याएँ एवं परिप्रेक्ष्य, जनसंख्या शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण के उपाय ।

## इकाई– X : मध्यप्रदेश का सामाजिक परिदृश्य

- मध्यप्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था : त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था, पंचायती राज में महिलाओं की भागीदारी एवं भूमिका, ग्रामीण नेतृत्व, सत्ता का विकेन्द्रीकरण।
- मध्यप्रदेश में जनजातीय समाजः जनजातियों का सामाजिक संगठन, मध्यप्रदेश की जनजातियों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम।
- मध्यप्रदेश की जनजातीय संस्कृति – नृत्य, कला, पर्व और त्यौहार।
- मध्यप्रदेश में स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका, स्वयं सहायता समूह, महिला सशक्तीकरण, मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की ग्यारंटी अधिनियम, 2010
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी, जनसंख्या वृद्धि, परिवार कल्याण कार्यक्रम, लिंग अनुपात, पोषण एवं स्वास्थ्य योजनाएँ।

***

# Assistant Professor Examination-2022

## Syllabus - Sociology

### Unit-I : SOCIOLOGICAL CONCEPTS

- Nature of Sociology : Definition, Sociological Perspectives.
- Basic Concepts : Community, Institution , Association, Culture, Norms and Values.
- Social Structure : Status and role, Multiple roles, Role set, Status set, Status sequence, Role conflict.
- Social Group : Meaning, Types: Primary and Secondary, Formal and Informal, In-group and Out-group, Reference group.
- Social Institutions: Marriage, Family, Education, Economy, Polity, Religion, Varna, Aashrma, Purusharth, Rin, Yagya, Sanskar.

### Unit-II : SOCIALIZATION

- Socialization, Re-socialization, Anticipatory socialization, Adult socialization , Agencies of socialization, Theories of socialization.
- Social Stratification : Social differentiation, Hierarchy and Inequality.
  Forms of stratification: Caste, Class, Gender, Ethnic, Theories of social stratification, Social mobility.
- Social change : Concepts and Types: Evolution, Diffusion, Progress, Revolution, Transformation, Change in Structure and Change of Structure. Theories: Linear and Cyclical.
- Conceptualizing Indian Society : People of India, Groups and Communities, Unity in diversity, Cultural diversity: Regional, linguistic, religious and tribal.
- Contemporary Issues: Socio-cultural, Poverty, Inequality of caste and gender, Regional, Ethnic and Religious disharmony, Family disharmony: (a) Domestic violence (b) Dowry (c) Divorce (d) Intergenerational conflict.

### Unit-III : SOCIOLOGICAL THEORY

- Structural Theories : Nadel, Radcliffe Brown.
- Functional Theories : Malinowski, Durkheim, Parsons, Merton.
- Interactionist Theory : Social action- Max Weber, Pareto.
  Symbolic Interactionism: G.H, Mead, Blumer.
- Conflict Theory : Karl Marx, Dahrendorf, Coser.
- Theoretical Perspectives
  Indological/Textual Perspective: G.S. Ghurye, Louis Dumont.
  Structural-Functional Perspective: M.N. Srinivas, S.C. Dube.
  Subaltern Perspective: B.R. Ambedkar.
  Sociology of Values : Radha Kamal Mukherji.

## Unit-IV : METHODOLOGY

- Meaning and Nature of Social Research
  Nature of social phenomena, The Scientific method, The problems in the study of social phenomena: Objectivity and subjectivity, fact and value.
- Quantitative Methods : Survey, Research Design and its types, Hypothesis, Sampling, Techniques of data collection: Observation, Questionnaire, Schedule, Interview.
- Qualitative Methods: Participant observation, Case study, Content Analysis , Oral history, Life history.
- Statistics in Social Research : Measures of Central Tendency: Mean, Median, Mode, Measures of dispersion, Co relational analysis, Test of significance.
- Sociometry, Application of Computer in Social Research, Ethnography.

## Unit-V : FUNCTIONALISM

- Neo-functionalism and Neo-Marxism- J. Alexander, Havermass, Althusser.
- Structuration and Post-Modernism: Giddens, Derrida.
- Contemporary Issues: Developmental, Population, Regional disparity, Slums, Displacement, Aims of sustainable development, Niti Ayog - Structure and Functions.
- Issues Pertaining to Deviance:-Deviance and its forms, Crime and delinquency, white collar crime and corruption, Changing profile of crime, drug addiction, suicide.
- Current Debates : Tradition and Modernity in India, problems of Nation Building : Secularism, Pluralism and Nation building.

## Unit-VI : RURAL SOCIOLOGY

- Approaches to the study of Rural Society: Rural-Urban differences Ruralism and Urbanism, Peasant studies.
- Agrarian Institutions: Land ownership and its types, Agrarian relations and Mode of Production debate, Jajmani system and Jajmani relations, Agrarian class structure.
- Panchayati Raj System: Panchayat before and after 73rd Amendment, Rural Leadership and Factionalism, Empowerment of people.
- Social Issues and Strategies for Rural Development: Bonded and Migrant laborers, Pauperization and De-peasantisation, Agrarian unrest and Peasant movements.
- Rural Development and Change:
  Trends of changes in rural society, Processes of change: Migration - Rural to Urban and Rural to Rural Mobility: Social/Economic.

## Unit-VII : INDUSTRY AND SOCIETY

- Industrial Society in the Classical Sociological Tradition: Division of labour, Bureaucracy, Rationality, Production relations, Surplus value ,Alienation.
- Industry and Society : Factory as a social system, Formal and informal organization, Impact of social structure on industry, Impact of industry on society.
- Industrial Relations : Changing profile of labour, Changing Labour-Management relations, Conciliation, adjudication, arbitration, collective bargaining, Trade Unions, work Participation in management (Joint Management Councils), Quality Circles.
- Industrialization and Social Change in India:
  Impact of Industrialization on family, Education and stratification, Class and class conflict in industrial society, Obstacles and limitations of industrialization.
- The Challenges of Globalization: Indianisation of Sociology, Privatization of Education, Science and Technology Policy of India.

## Unit-VIII : SOCIOLOGY OF DEVELOPMENT

- Conceptual Perspectives on Development: Economic growth, Human development, Social development, Sustainable development.
- Theories of Underdevelopment: Liberal- Max Weber, Gunner Myrdal
- Paths of Development: Modernization, Globalization.
- Social Structure and Development : Social structure as a facilitator/ Inhibitor, Development and socio-economic disparities.
- Culture and Development: Culture as aid / impediment, Post-Modernization, Westernization.

## Unit-IX : POPULATION AND SOCITY

- Theories of Population Growth: Malthusian, Demographic transition.
- Population Growth and Distribution in India: Growth of Indian population since 1901, Causes and effects of population growth.
- Concepts : Fertility, Mortality, Morbidity and Migration, Age and Sex composition and its consequences, Determinants of fertility, Determinants of mortality, Infant, child and maternal mortality, morbidity rates.
- Population and Development: Population as a constraint and as a Human resources for development, Socio-cultural factors affecting population growth.
- Population Control: Population policy: Problems and perspectives, Population education, Measures taken for population control.

## Unit-X : SOCIAL SENERIO OF MADHYA PRADESH

- Panchayati Raj system in Madhya Pradesh : Three tier Panchayati Raj system, Role and participation of women in Panchayati Raj, Rural Leadership, Decentralization of Authority.
- Tribal society in Madhya Pradesh: Social Organization of Tribes, Welfare Programme for Tribes of Madhya Pradesh.
- Tribal Culture of Madhya Pradesh- Dance, Art and Festivals.
- Role of NGO's in Madhya Pradesh, Self Help Groups (SHG's), Women Empowerment. Madhya Pradesh Public Service Guarantee Act, 2010.
- Demography of Madhya Pradesh, Population growth, Family Welfare Programmes, Sex ratio, Programmes of Nutrition and Health.

***